(PPR कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट)

(मानविकी विद्याशाखा)

संस्कृत (स्नातकोत्तर)

(Programme.s mission & objectives) कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य - स्नातकोत्तर संस्कृत कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को उन दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचाना है, जहाँ परम्परागत (संस्थागत) शिक्षा व्यवस्था का प्राय: अभाव है। इसका उद्देश्य उन लोगों को शिक्षा से जोड़ना है जो किसी कारणवश उच्च शिक्षा से वंचित हैं या बीच में शिक्षा छोड़ चुके हैं। विशेषत: संस्कृत के माध्यम से भाषा संवर्द्धन भी प्रमुख उद्देश्यों में से एक है।

(Relevance of the program with HEI.s Mission and Goals) कार्यक्रम की प्रासंगिकता - इस कार्यक्रम प्रासंगिकता दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थी में विभिन्न प्रकार की भाषिक दक्षता उत्पन्न करना व परम्परा से परिचित कराना भी है। कुशलताओं आदि में विस्तार करना, गुणवत्ता में विस्तार करके रोजगारपरक बनाना व इसके साथ-साथ उन मानव संसाधनों के लिए भी यह पाठ्यक्रम उपयुक्त है जो रोजगार में रहने के साथ-साथ अपनी शिक्षा व कुशलताओं का विकास करना चाहते हैं। स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत भाषा के व्यापक अध्ययन की पृष्ठभूमि तैयार करना भी इस कार्यक्रम की प्रासंगिकता है। साथ ही स्नातकोत्तर संस्कृत करने वाले छात्र, अन्य प्रशिक्षण के पश्चात् इण्टरमीडिएट की कक्षओं में अध्यापन भी कर सकें, प्रतियोगी परीक्षाएं उत्तीर्ण कर सकें , शोधकार्य में जा सकें ,यह भी इस कार्यक्रम का प्रयोजन है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा पद्धति से इस कार्यक्रम को अपने अध्ययन द्वारा भी संचालित करने के कारण दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले सभी वर्गों को संस्कृत शिक्षा का उच्च अवसर प्राप्त होता है जो कतिपय कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

c.Nature of prospective target group of learners : लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति

किसी भी विषय में स्नातक उपाधि प्राप्त कोई भी इस कार्यक्रम में प्रवेश की पात्रता रखते हैं। प्रदेश में विशेष रूप से वे वे भी इसमें प्रतिभाग करते है जो हाईस्कूल स्तर के शिक्षक तो है परन्तु इंटर कालेज में प्रवक्ता पद पर उन्नति चाहते हैं। अथवा अन्य उद्देश्यों की पूर्ति करना चाहते हैं।

d.Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and competence:

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातकोत्तर कार्यक्रम में संस्कृत विषय की उपयुक्तता के आधार -

- विषय की जानकारी हेतु प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्रों को अध्ययन की सुगमता प्रदान करना।
- सहज ,सुबोध और अध्यापन शैली में लिखित सामग्री के द्वारा विना कक्षा शिक्षण के ही अधिगम कराया जाना।
- छात्र और शिक्षक के बीच सामग्री में ही संवाद की उपस्थिति से विषय को रूचिकर बनाना।
- तकनीकी के समावेश से पाठ्यसामग्री को आकर्षक व सुगम बनाकर छात्रों तक पहुँचाना।

e.Instructional Design. निर्देशात्मक संरचना – संस्कृत विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर द्वि वर्षीय पाठ्यक्रम को खण्डों और इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए श्रेयांक (Credit) निश्चित किये गये हैं। दूरस्थ शिक्षा के मैनुअल के अनुरूप पाठक्रमों की अधिसंरचना की जाती है जो इस प्रकार है –

- पाठ्यक्रम का मात्रात्मक मूल्य।
- विषय का संरचनागत प्रस्तुतीकरण किया जाता है।
- संस्कृत में स्नातकोत्तर के प्रथम और द्वितीय वर्ष के कुल 09 पाठ्यक्रम 72 श्रेयांक के हैं।
- दूरस्थ शिक्षा के मैनुअल के अनुरूप पाठक्रमों की अधिसंरचना की जाती है जो इस प्रकार है। पाठ्यक्रम का मात्रात्मक मूल्य , विषय का संरचनागत प्रस्तुतीकरण किया जाता है। परास्नातक संस्कृत के प्रथम वर्ष में चार पाठ्यक्रम ३२ श्रेयांक के तथा अंतिम वर्ष में पाँच पाठ्यक्रम ४० श्रेयांक के हैं। वैकल्पिक विषय में लघुशोध भी है।
- पाठ्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है -

PROGRAMME SUMMARY & FEE STRUCTURE

Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Year)		SLM	Mode of Exam (Annual / Sem)	Year/ Sem	Details Of Fee (`)					
		Minimum	Maximum				Programme	Exam	Identity Card	Student Welfare	Degree Fee	Grand Total
Master of Arts – SANSKRIT (MASL-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual	I	2000	600	50	100	300	2750
						II	2000	750	-	-		3050

Name and code of courses		
S.No.	M.A. I	M.A. II
1	वेद एवं निरूक्त MASL-101	काव्यशास्त्र MASL- 201
2	संस्कृत भाषाविज्ञान एवं व्याकरण MASL 102	गद्य एवं पद्य काव्य MASL -202
3	भारतीय दर्शन MASL -103	सिद्धान्तकौमुदी , कारक एवं समास MASL 203
4	नाटक एवं नाट्यशास्त्र MASL 104	नाटक एवं नाटिका MASL 204
		संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएं MASL 205
		लघु शोध MASL 206

f.Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation:

स्नातक उपाधि प्राप्त कोई भी छात्र परास्नातक राजनीति विग्यान में प्रवेश का पात्र है | पाठ्यक्रमों में समय समय पर आवश्यकतानुसार संशोधन और परिवर्तन भी किया जाता है | वर्ष में दो बार ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रवेश की प्रक्रिया संचालित की जा रही |छात्रों को स्वनिर्मित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है |सत्रीय कार्यों और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन सक्षम परीक्षकों द्वारा कराये जाते है |

g.Requirement of the laboratory support and Library Resources:
प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता

विषय से सम्बंधित समस्याओं के समाधान व निराकरण हेतु पुस्तकालय मे सन्दर्भ पुस्तके उपलब्ध हैं। अध्ययन केंद्र में भी इस तरह की सुविधा छात्रों को उपलब्ध कराई जाती हैं।

h.Cost estimate of the programme and the provisions :|

एम0ए0 संस्कृत के दोनों वर्षो में कुल 09 प्रश्नपत्रों के लेखन, संम्पादन व मुद्रण आदि कार्यो में अनुमानित लागत लगभग रू0 17,00000/- लाख से अधिक है।

i.Quality assurance mechanism and expected programme outcomes:

आवश्यकतानुसार विषय के सक्षम विशेषज्ञों के द्वारा पाठ्यक्रम को नवीन बनाने के लिए कार्य किया जाता है। साथ ही अध्ययन सामग्री के लेखन में सावधानी का पालन करते हुए सक्षम इकाई लेखकों के द्वारा विशिष्ट पाठ्य सामग्री का सरल भाषा में लेखन कराया जाता है। फलस्वरूप संस्कृत के अध्येताओं को विषय का स्तरीय ज्ञान प्राप्त करने में सुविधा प्राप्त होती है । जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं मे भी सफलता प्राप्त कर लेते हैं। साथ ही नेट परिक्षा उत्तीर्ण कर उच्च शिक्षा में भी जाते हुए दिखाई देते है।

वेद एवं निरूक्त

MASL-101

खण्ड 1. वैदिक सूक्त

इकाई 1 . इन्द्र सूक्त 1/15

इकाई 2. उषस् सूक्त - मूल पाठ , सायण भाष्य , अर्थ - व्याख्या

इकाई 3. नासदीय सूक्त 10/129

इकाई 4. सामनस्य सूक्त 3/30

खण्ड 2 . निरूक्त

इकाई 1. निरूक्त का महत्व

इकाई 2. शब्द का नित्यत्व एवं भाव विकारों का विवेचन

इकाई 3. निरूक्त के अनुसार शब्दों का विभाजन, भाव एवं सत्व

इकाई 4. निरूक्त के प्रथम अध्याय के तृतीय पाद पर्यन्त भाग की व्याख्या

इकाई 5. निरूक्त के प्रथम अध्याय के चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठ पाद की व्याख्या

खण्ड 3. वेदान्त - उपनिषद्

इकाई 1. उपनिषद् व्युत्पत्ति, महत्व एवं प्रतिपाद्य

इकाई 2. प्रमुख उपनिषदों का सामान्य परिचय

इकाई 3. भारतीय दर्शन में उपनिषदों का योगदान

इकाई 4. ईशोपनिषद् 18 मन्त्र अर्थ एवं व्याख्या सहित

खण्ड 4. पाणिनीय शिक्षा

इकाई -1 वेदांग परिचय

इकाई -2 वेदांगों में शिक्षा का महत्व

इकाई -3 पाणिनीय शिक्षा के अनुसार उच्चारण विधि

इकाई 4. पाणिनीय शिक्षा के अर्धांश की व्याख्या

इकाई 5. पाणिनीय शिक्षा के शेष अंशों की व्याख्या

संस्कृत भाषाविज्ञान एवं व्याकरण MASL

102

प्रथम खण्ड – भाषा विज्ञान

इकाई 1:भाषा का उद्गम और विकास
इकाई2: भाषा विज्ञान,स्वरूप अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध
इकाइ3: संस्कृत एवं प्रमुख भारोपीय भाषाएं
इकाइ4: -संस्कृत एवं प्राचीन आर्य भाषाएं

द्वितीय खण्ड – रूप विज्ञान

इकाई 1: संस्कृत पद संरचना
इकाई2: उपसर्ग तथा निपात
इकाई3:आख्यात पद रचना

तृतीय खण्ड – ध्वनि विज्ञान

इकाई1: संस्कृत ध्वनियों का विकास क्रम
इकाई 2 : ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशायें
इकाई3: ध्वनि नियम – ग्रिम ,ग्रासमान ,वर्नर
इकाई 4: वाक्य - रचना

चतुर्थ खण्ड - षड्लिंग प्रकरण

इकाई 1: अजन्त पुल्लिंग राम शब्द
इकाई 2: अजन्त पुल्लिंग राम शब्द द्वितीया- सप्तमी
इकाई 3: अजन्त पुल्लिंग सर्वादिगण
इकाई 4: अजन्त पुल्लिंग हरि एवं गुरू शब्द
इकाई 5: अजन्त पुल्लिंग पति एवं पितृ शब्द
इकाई 6: अजन्त स्त्रीलिंग रमा शब्द

भारतीय दर्शन

एम.ए.एस.एल-103

खण्ड -1 अद्वैत वेदान्त

इकाई 1- विशिष्टाद्वैतवेदान्त दर्शन का सिद्धान्त

इकाई 2- द्वैत वेदान्त दर्शन का सिद्धान्त

इकाई 3- द्वैताद्वैत वेदान्त दर्शन का सिद्धान्त

खण्ड 2- सांख्यकारिका

इकाई 1- सांख्यदर्शन का संक्षिप्त इतिहास एवं तत्व मीमांसा

इकाई 2- दु:खत्रय, सत्कार्यवाद पुरूष –बहुत्व, प्रकृति –पुरूष समबन्ध

इकाई 3- सांख्यकारिका 1 से 10 मूल पाठ, अर्थ व्याख्या

इकाई 4- सांख्यकारिका 11 से 20 मूल पाठ, अर्थ, व्याख्या

इकाई 5 – सांख्यकारिका 21 से 30 मूल पाठ, अर्थ, व्याख्या

खण्ड 3- वेदान्तसार

इकाई 1- वेदान्त दर्शन का ऐतिहासिक स्वरूप

इकाई 2- वेदान्तसार के प्रमुख सिद्धान्त का समीक्षक

इकाई 3- मंगलाचरण से अनुबन्ध चुतुष्ट्य तक

इकाई 4- आवरण एवं विक्षेप शक्ति

इकाई 5- सूक्ष्म शरीर एवं पंचीकरण

खण्ड 4- जैन एवं चार्वाक

इकाई 1- जैनमत का इतिहास

इकाई 2- जैन दर्शन का सिद्धान्त भाग 1

इकाई 3- जैन दर्शन का सिद्धान्त भाग 2

इकाई 4- चार्वाक् दर्शन का परिचय एवं सिद्धान्त

इकाई 5- चार्वाकीय सिद्धान्तों की अन्य भारतीय दर्शनों में आंशिक उपस्थिति

इकाई 6- चार्वाक दर्शन का वर्तमान व्यावहारिक व सांसारिक जीवन से सम्बन्ध

खण्ड 5- न्याय दर्शन

इकाई 1 -न्याय दर्शन का संक्षिप्त इतिहास

इकाई 2 -तर्क भाषा,प्रमेयों के नाम,प्रमाण कारण एवं उनका स्वरूप

इकाई 3- प्रत्यक्ष प्रमाण एवं इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष

इकाई 4 -तर्क भाषा,अनुमान प्रमाण,व्याप्ति एवं उसके भेदों की मीमांसा

इकाई 5 प्रमेय पदार्थ निरूपण, स्वार्थानुमान, परार्थानुमान, हेत्वाभास

प्रथम खण्ड –नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय

इकाई1: नाट्यशास्त्र का परिचय
इकाई2: नाट्यशास्त्र के टीकाकारों एवं उनके सिद्धान्तों का परिचय
इकाई3: नाट्यशास्त्र का प्रतिपाद्य
इकाई4: नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय पूर्वार्ध (अर्थ एवं व्याख्या)
इकाई5: नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय उत्तरार्ध (अर्थ एवं व्याख्या)

द्वितीय खण्ड –दशरूपक प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश

इकाई1: रूपक भेद एवं सामान्य परिचय
इकाई2:नृत्य पंचसन्ध्यंको का विवेचन
इकाई3: अर्थोपक्षेपक,नायक-नायिका निरूपण
इकाई4: दशरूपक के अनुसार रस मीमांसा
इकाई5: दशरूपक प्रथमप्रकाश
इकाई6: दशरूपक द्वितीय प्रकाश

तृतीय खण्ड उत्तररामचरितम् का विश्लेषण

इकाई1: भवभूति एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय
इकाई2: उत्तररामचरितम् का नाट्यशास्त्रीय मूल्यांकन
इकाई3: उत्तररामचरितम् के प्रधान एवं गौण रसों की मीमांसा
इकाई4:उत्तररामचरितम् के पात्रों का चरित्र-चित्रण
इकाई5: उत्तररामचरितम् की भाषा-शैली

चतुर्थ खण्ड : उत्तररामचरितम् प्रथम एवं द्वितीय अंक

इकाई 1: उत्तररामचरितम् प्रथम अंक का पूर्वार्द्ध
इकाई2: उत्तररामचरितम् प्रथम अंक का उत्तरार्द्ध
इकाई3: उत्तररामचरितम् द्वितीय अंक का पूर्वार्द्ध
इकाई4: उत्तररामचरितम् द्वितीय अंक का उत्तरार्द्ध

पंचम खण्ड उत्तररामचरितम् तृतीय एवं चतुर्थ अंक

इकाई 1: उत्तररामचरितम् तृतीयअंक का पूर्वार्द्ध
इकाई2: उत्तररामचरितम् तृतीयअंक का उत्तरार्द्ध
इकाई3: उत्तररामचरितम् चतुर्थ अंक का पूर्वार्द्ध
इकाई4: उत्तररामचरितम् चतुर्थ अंक का उत्तरार्द्ध

काव्यशास्त्र **MASL- 201**

खण्ड - 01

इकाई - 1. काव्यशास्त्रीय परम्परा एवं आचार्य मम्मट का अवदान

2 . काव्यप्रयोजन , काव्यलक्षण, एवं काव्यहेतु की विस्तृत व्याख्या

3. काव्यभेद एवं शब्दार्थ की विस्तृत व्याख्या

4. शब्द शक्तियों की विस्तृत व्याख्या

खण्ड - 2

इकाई - 1. रसोत्पत्तिवाद, विभिन्न मतों का सांगोपांग वर्णन

2. रस भेद , उदाहरण सहित ज्ञान

खण्ड - 3 अलंकार वर्णन

इकाई 1 . अलंकार लक्षण , क्रमिक विकास एवं संख्यात्मक विवेचन

2 . उपमा के प्रमुख भेद एवं उदाहरण सहित व्याख्या

3. अन्वय, उपमेयोपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक , अपह्नुति, विस्तृत व्याख्या

4. श्लेष, समासोक्ति , निदर्शना, अतिशयोक्ति, दृष्टान्त, तुल्ययोगिता एवं विभावना - विशेषोक्ति के विस्तृत विवेचन

खण्ड - 4 काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा

इकाई -1. भरत,भामह, दण्डी , रूद्रट का जीवन वृत्त , समय, कृतित्व

2. उद्भट , वामन, कुन्तक , जीवनवृत्त , समय, कृतित्व

3. मम्मट , विश्वनाथ , आनन्दवर्धन का जीवनवृत्त , समय, कृतित्व

4. अभिनवगुप्त , राजशेखर , धनञ्जय ,भोजराज का जीवनवृत्त , समय, कृतित्व

5. रामचन्द्र -गुणचन्द्र, शारदातनय, रूपगोस्वामी , पण्डितराज जगन्नाथ

गद्य एवं पद्य काव्य MASL -202

खण्ड 1. मेघदूत

इकाई 1. महाकवि कालिदास एवं मेघदूत का विहंगावलोकन
इकाई 2. मेघदूतम श्लोक संख्या 1 से 10 तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 3. मेघदूतम श्लोक संख्या 11 से 20 तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 4. मेघदूतम श्लोक संख्या 21 से 30 तक विस्तृत व्याख्या

खण्ड 2. मेघदूत

इकाई 5. मेघदूतम श्लोक संख्या 31 से 42 तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 6. मेघदूतम श्लोक संख्या 43 से 54 तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 7. मेघदूतम श्लोक संख्या 55 से 67 तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 8. मेघदूत की प्रमुख सूक्तियों की व्याख्या

खण्ड 3. शिवराजविजय

इकाई 9 प्राचीन संस्कृत गद्य साहित्य (सुबन्धु, बाण,दण्डी)
इकाई 10 पं अम्बिकादत्त व्यास और शिवराजविजय का विहंगावलोकन
इकाई 11 प्रथम नि;श्वास विष्णोर्माया से उभयोदृष्टि तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 12 तस्मिन पर्वते से श्रूयतेअवलोक्यते च परित; तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 13 तदाकर्ण्य से धूलीचकार तक विस्तृत व्याख्या

खण्ड 4. शिवराजविजय

इकाई 14 अद्य तु तत् तीर्थस्य से विराम तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 15 तदाकर्ण्य से स्वकुटीरं प्रविवेश तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 16 द्वितीय निश्वास रात्रिर्गमिष्यति से किंचानुतिष्ठति तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 17 तत; पुनर्बद्धांजलेदौवारिकस्य से भारतवर्षीया तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 18 अथ कथ्यतां से यवनयुवकान तक विस्तृत व्याख्या

खण्ड 5 शिवराजविजय

इकाई 19 क्वचिद अहो दुर्गमता से श्रूयतेअतिवैलक्ष्ण्यं तदेशस्य तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 20 तावरंग; सेनापते से गौर ; पुनरवादीत् तक विस्तृत व्याख्या
इकाई 21 भगवन् सामान्यराजभृतस्य से तत् सम्भवतितक विस्तृत व्याख्या
इकाई 22 तत; परं गोपीनाथेन से चरणौ प्रणनाम तक विस्तृत व्याख्या

सिद्धान्तकौमुदी , कारक एवं समास MASL 203

खण्ड 1 सिद्धान्त कौमुदी – कारक प्रकरण

इकाई 1. प्रथमा एवं द्वितीया विभक्ति -- सूत्र, वृत्ति उदाहरण सहित व्याख्या

इकाई 2. तृतीया विभक्ति - सूत्र, वृत्ति उदाहरण सहित व्याख्या

इकाई 3. चतुर्थी विभक्ति - सूत्र, वृत्ति एवं उदाहरण सहित व्याख्या

इकाई 4 . पंचमी विभक्ति - सूत्र, वृत्ति एवं उदाहरण सहित व्याख्या

इकाई 5. षष्ठी विभक्ति - सूत्र, वृत्ति एवं उदाहरण सहित व्याख्या

इकाई 6 . सप्तमी विभक्ति - सूत्र, वृत्ति एवं उदाहरण सहित व्याख्या

खण्ड 2

इकाई 1. सूत्र, वृत्ति ,अर्थ ,सहित भू धातु की रूप सिद्धि

इकाई 2. लट, लृट, लोट, लंड्., विधिलिंग लकारों में श्रु, गम् , एध्, धातु रूपों की सिद्धि

इकाई 3. णीञ,पच् , भज्, यच्, इन चार धातुओं की व्याख्या सहित रूप सिद्धि

इकाई 4. सूत्र, वृत्ति ,अर्थ, व्याख्या अद , तथा यु धातुओं की रूप सिद्धि

इकाई 5. सूत्र ,वृत्ति ,अर्थ, व्याख्या,अस् तथा दुह, धातुओं की रूप सिद्धि

खण्ड 3 समास प्रकरण

इकाई 1. समर्थ: पदविधि:सूत्र से .....तृतीया सप्तम्योर्बहुलम् सूत्र तक उदाहरण सहित व्याख्या

इकाई 2. अव्ययीभावे चाकाले सूत्र से ------ झय: सूत्र तक व्याख्या

इकाई 3. तत्पुरूष: सूत्र से----- सप्तमी शौण्डै: सूत्र तक विस्तृत व्याख्या

इकाई 4. दिक्संख्ये संज्ञायाम् सूत्र से अर्धर्चा: पुंसि च सूत्र तक व्याख्या

इकाई 5. शेषो बहुव्रीहि: सूत्र से द्वन्द्वात् चु द ष हान्तात् समाहारे

नाटक एवं नाटिका

MASL 204

खण्ड -1 मृच्छकटिकम् प्रकरण

इकाई 1. नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास
इकाई 2. महाकवि शूद्रक का परिचय
इकाई 3. मृच्छकटिकम् के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण
इकाई 4. मृच्छकटिकम् में चित्रित सामाजिक एवं राजनीतिक चित्रण

खण्ड -2 मृच्छकटिकम् व्याख्या

इकाई 5. मृच्छकटिकम् प्रथम अंक श्लोक संख्या 1 से 20 तक
इकाई 6. मृच्छकटिकम् प्रथम अंक श्लोक संख्या 21 से 40 तक
इकाई 7. मृच्छकटिकम् प्रथम अंक श्लोक संख्या 4 1 से 58 तक
इकाई 8. द्वितीय अंक श्लोक संख्या 1 से 20 तक
इकाई 9. तृतीय अंक श्लोक संख्या 1 से 15 तक

खण्ड - 3 मृच्छकटिकम् व्याख्या

इकाई 10. तृतीय अंक श्लोक 16 से 30 मूल पाठ व्याख्या
इकाई 11. चतुर्थ अंक श्लोक 1 से 17 मूल पाठ व्याख्या
इकाई 12. श्लोक 18 से 32 मूल पाठ व्याख्या
इकाई 13. पंचम अंक श्लोक 1 से 25 मूल पाठ व्याख्या

खण्ड -4 मृच्छकटिकम् व्याख्या

इकाई 14. पंचम अंक श्लोक 26 से 52 मूल पाठ, एवं व्याख्या

इकाई 15. षष्ठ अंक श्लोक 1 से 14 मूल पाठ, एवं व्याख्या
इकाई 16. षष्ठ अंक श्लोक 15 से 27 मूल पाठ, एवं व्याख्या
इकाई 17. सप्तम अंक मूल पाठ एवं व्याख्या

खण्ड -5 मृच्छकटिकम् व्याख्या एवं रत्नावली

इकाई 18. श्लोक 1 से 24 तक मूल पाठ, एवं व्याख्या
इकाई 19. श्लोक 25 से 47 तक मूल पाठ, एवं व्याख्या
इकाई 20. रत्नावली प्रथम अंक संवाद एवं व्याख्या
इकाई 21. रत्नावली द्वितीय अंक संवाद एवं व्याख्या

संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएं

MASL 205

खण्ड 1. उत्तराखण्ड में संस्कृत साहित्य की आधुनिक प्रतिभाएं

इकाई 1 - उत्तराखण्ड में संस्कृत साहित्य की परम्परा

इकाई 2 - विद्याभूषण श्रीकृष्ण जोशी का जीवन परिचय एवं उनका संस्कृत साहित्य में योगदान

इकाई 3 - श्री हरि नारायण दीक्षित का जीवन परिचय एवं उनका रचना संसार

इकाई 4 - लोकरत्न गुमानी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

इकाई 5 - शिवप्रसाद भारद्वाज का जीवन परिचय एवं उनकी कृतियाँ

खण्ड 2. आधुनिक संस्कृत महाकाव्यकारों का परिचय

इकाई 1- अट्ठारहवीं शताब्दी के प्रमुख महाकाव्यकारों का परिचय

इकाई 2- उन्नीसवीं शती के प्रमुख महाकाव्यकारों का परिचय

इकाई 3- बीसवीं शती के प्रमुख महाकाव्यकारों का परिचय

खण्ड 3. गीतिकाव्य एवं उपन्यास

इकाई 1- उन्नीसवीं शताब्दी के संस्कृत गीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां कवि एवं उनके काव्य

इकाई 2- बीसवीं शताब्दी के संस्कृत गीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां कवि एवं उनके काव्य

इकाई 3- आधुनिक संस्कृत उपन्यासों का परिचय (19वीं से 20वीं शताब्दी के संस्कृत उपन्यास)